50 हजार लोगों की मौत हर साल भारत में सांप काटने की वजह से होती है। वैश्विक स्तर पर यही आंकड़ा एक लाख से भी अधिक है। नेचर जेनेटिक्स जर्नल के मुताबिक, अब भारतीय कोबरा के जीनोम का पता लगा लिया गया है, जिससे इसका प्रभावी इलाज किया जा सकता है।

बर्फीली हवाओं से मौसम फिर पलटा

बढ़ी ठिठुरन ▶ बारिश और सर्द हवा से दिल्ली में न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस तक गिरा

उप्र में बदली-शीतलहर ने ढीले किए सूर्यदेव के तेवर

जेएनएन, नई दिल्ली

बर्फीली हवाएं चलने के कारण एक बार फिर ठिठुरन लौट आई है। बारिश और सर्द भरी हवा के कारण राष्ट्रीय राजधानी में तापमान गिर गया।

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को दिन में चली ठंडी हवाओं के कारण दिल्ली का न्यूनतम तापमान 8 डिग्री तक गिर गया। उप्र में बीते चौबीस घंटे से बदली और रिमझिम बारिश के कारण आमजन जीवन अस्त-व्यस्त रहा। राजस्थान के कई शहरों में घनी धुंध छाई रही और न्यूनतम तापमान में कमी दर्ज की गई। पंजाब में दिन भर आसमान में बादल छाए रहे। मप्र में राजधानी भोपाल सहित 16 स्थानों पर न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। सतना व रीवा में बारिश के साथ ओले पड़े तो कोलकाता में छिटपुट बारिश के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई। झारखंड की राजधानी रांची में 15.6 मिमी बारिश हुई। जामताड़ा में वज्रपात से तीन लोगों की मौत हो गई। रांची में दिन की शुरुआत घने कोहरे के साथ हुई। दृश्यता कम होने के कारण दो विमानों को डायवर्ट करना पड़ा।

कई दिनों से बर्फबारी की मार झेल रहे हिमाचल प्रदेश में गुरुवार को मौसम खुला, लेकिन 800 से ज्यादा सड़कें अब भी बंद हैं। भारी बर्फबारी वाले क्षेत्रों में पर्यटकों ने बर्फ से खेलने का भरपूर आनंद लिया। रिज, कुफरी, नारकंडा, मनाली, डलहौजी, मैक्लोडगंज में पर्यटकों की आमद बढ़ गई है। तीन दिन बाद उत्तराखंड में मौसम खुला, लेकिन दुश्वारियां बरकरार हैं।

शिमला में जबर्दस्त बर्फबारी के बाद हर तरफ बर्फ की सफेद मोटी चादर बिछी हुई है। गुरुवार को सुबह मौसम साफ हुआ, हालांकि बर्फबारी और ठंड के चलते तापमान काफी नीचे चला गया है। आलम यह है कि छतों से टपकती बर्फीली बूंदें और पानी की पाइप भी जम गई हैं। महेंद्र ठाकुर

शहर और न्यूनतम तापमान

मसूरी	-2.5
गुलमर्ग	- 13.6
लेह	-11.6
श्रीनगर	-3.0
अमृतसर	2.2
दिल्ली	8

(डिग्री सेल्सियस)

12 को हो सकती है बारिश

प्रादेशिक मौसम पूर्वानुमान केंद्र दिल्ली के प्रमुख डॉ. कुलदीप श्रीवास्तव ने बताया कि आने वाले दिनों में ठंडी हवाओं का कहर और बढ़ने का अनुमान है। हालांकि 12 जनवरी को हल्की बारिश की उम्मीद है, जिससे तापमान बढ़ने का अनुमान है। शुक्रवार-शनिवार को सुबह के समय धुंध छाए रहने का अनुमान है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, डिफेंस एक्सपो के लिए नहीं कटेगा कोई पेड़

नई दिल्ली, प्रेट्र : उत्तर प्रदेश सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि डिफेंस एक्सपो के लिए लखनऊ में एक भी पेड़ काटने की योजना नहीं है। प्रधान न्यायाधीश एसए बोबडे, जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस सूर्यकांत की पीठ ने याचिकाकर्ता शीला बरसे से इस संबंध में इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में जाने को कहा है। पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता रविंद्र रायजादा और अधिवक्ता राजीव दुबे के उन बयानों को दर्ज किया कि डिफेंस एक्सपो के आयोजन के लिए न तो कोई पेड़ काटा गया है और न ही कोई पेड़ काटे जाने की योजना है।

18 दिसंबर, 2019 को कोर्ट ने कार्यकर्ता शीला बरसे की याचिका पर उप्र सरकार से जवाब तलब किया था जिन्होंने अपनी याचिका में कहा था कि बड़ी संख्या में पेड़ों को काटा जाना 'अंतर पीढ़ीगत अन्याय' है जिसे हमेशा के लिए रोका जाना चाहिए। उनका कहना था कि खबरों के मुताबिक उत्तर प्रदेश सरकार लखनऊ में डिफेंस एक्सपो के आयोजन के लिए गोमती नदी के किनारे 64 हजार पेड़ काटने की योजना बना रही है और वह 15 जनवरी, 2020 तक क्षेत्र को पूरी तरह साफ करना चाहती है ताकि आयोजकों को जमीन सौंपी जा सके।

किस मंदिर में नहीं जाने दिया न मंत्री बता रहे न विधायक

जागरण न्यूज नेटवर्क, शिमला

हिमाचल प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री राजीव सैजल को मंदिर में प्रवेश करने से रोकने का मामला अब उलझने लगा है। राजीव सैजल अनुसूचित जाति से हैं।

सैजल ने हिमाचल प्रदेश विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र में कहा था कि मंडी जिले के नाचन में दौरे के दौरान विधायक विनोद कुमार व उन्हें मंदिर में प्रवेश करने से रोका गया था। हालांकि वह उस मंदिर का नाम बताने से परहेज कर रहे हैं, जहां यह घटना हुई। विधायक भी इस मामले पर कुछ कहने से पूरी तरह इन्कार कर रहे हैं। उनका कहना है कि मंत्री ही जानते होंगे कि कहां क्या हुआ। वहीं, नाचन भाजपा मंडल के अध्यक्ष रविंद्र राणा ने ऐसी किसी भी घटना से इन्कार किया है। विपक्ष ने सरकार को घेरते हुए कहा है कि सरकार को अपने मंत्री के साथ हुई घटना पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए थी ताकि जनता के लिए नजीर बने।

राजीव सैजल। फाइल

पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार ने इसे शर्मसार करने वाली घटना बताते हुए मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर से यह सुनिश्चित बनाने को कहा है कि भविष्य में ऐसी घटना किसी के साथ न हो। शिक्षा मंत्री ने कहा कि मंत्री के साथ ऐसा हुआ होता तो हम कड़ी कार्रवाई करते। वहीं, मंडी सर्वदेवता कमेटी के अध्यक्ष शिवदयाल का कहना है कि मंदिर के गर्भगृह में पुजारी के अलावा किसी भी व्यक्ति को प्रवेश की अनुमति नहीं है।

समाज में समरसता आवश्यक है। यह आज के युग में चर्चा का विषय न बनकर जीवन का हिस्सा होनी चाहिए। सरकार ने निर्णय लिया है कि सभी विधायक अपने-अपने हलकों में सभी को साथ लेकर चलेंगे।

-जयराम ठाकुर, मुख्यमंत्री, हिमाचल प्रदेश

'डॉ. राजीव सैजल मई 2018 में नाचन हलके के दौरे में आए थे। उस दौरान उन्होंने कई कार्यक्रमों में भाग लिया था। उनके साथ कौन से मंदिर में यह भेदभाव हुआ था, इसकी मुझे कोई जानकारी नहीं है। न ही इस मामले में कुछ बोलना चाहता हूं। इस मामले में डॉ. राजीव सैजल ही बेहतर बता सकते हैं।'

-विनोद कुमार, विधायक नाचन क्षेत्र

किसी मंदिर में जाने से डॉ. राजीव सैजल को नहीं रोका गया था। डेढ़ साल बाद यह बात कहां से सामने आई इस पर हम सब हैरान हैं।

-रविंद्र राणा, पूर्व मंडल अध्यक्ष नाचन भाजपा

मैं तो हैरान हूं कि सरकार का एक मंत्री विधानसभा में आपबीती सुना रहा है और सरकार ने तीन दिन गुजर जाने के बाद भी कोई कदम नहीं उठाया है। यह सरकार की गंभीरता पर सवाल है। कैबिनेट मंत्री के साथ हुई घटना को हल्के में लिया गया। मुख्यमंत्री को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

- मुकेश अग्निहोत्री, कांग्रेस विधायक दल के नेता

'मुद्दा व्यक्ति का नहीं, सामाजिक बुराई का है'

मंदिर में प्रवेश न करने देने की बात विधानसभा में उठाने पर चर्चा में आए हिमाचल प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. राजीव सैजल अब इसके विस्तार में जाने से इन्कार कर रहे हैं। उनका मानना है कि इसे एक व्यक्ति के साथ हुआ मामला नहीं, सामाजिक कुरीति के तौर देखा जाए। दैनिक जागरण से उनकी संक्षिप्त बातचीत के अंश :

आप मंदिर में प्रवेश नहीं कर पाए, यह घटना कब घटी थी?

-आप सवाल मुझ पर केंद्रित करना चाह रहे हैं। असल बात यह है कि एक मंत्री के तौर पर मुझे कहीं भी मंदिर में प्रवेश करने से कोई रोक नहीं सकता। लेकिन मैं आम आदमी भी हूं। इसलिए इस विषय को दलित समुदाय के आम आदमी के तौर पर भी देखना पड़ेगा।

इस पर आपने किन लोगों से बात की?

-मैंने इस मामले में मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर और कई दूसरे सम्मानित लोगों से चर्चा की थी। बिना शोर किए हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस दिशा में कार्य कर रहा है, जिसके उत्साहवर्धक परिणाम सामने आ रहे हैं।

21वीं सदी में भी इस तरह की घटनाएं क्यों हो रही हैं?

-यह सामाजिक कुरीति है और तभी दूर हो सकती है जब देव समाज इस दिशा में निर्णय ले। मैं समझता हूं कि अब जो कुछ भी करना है उसके लिए सवर्ण समाज को आगे आना पड़ेगा।

न्यूज गैलरी

पत्रकार की गिरफ्तारी पर सुप्रीम कोर्ट ने यूपी से मांगा जवाब

नई दिल्ली : नोएडा पुलिस को ब्लैकमेल करने और उससे वसूली करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए पत्रकार नीतीश पांडे की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश सरकार से जवाब तलब किया। नीतीश को यूपी गैंगस्टर्स एंड एंटी सोशल एक्टिविटीज (प्रिवेंशन) एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है। प्रधान न्यायाधीश एसए बोबडे, जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस सूर्यकांत की पीठ ने राज्य सरकार को नोटिस जारी करते हुए दो हफ्ते के भीतर अपना जवाब दाखिल करने को कहा है। (प्रेट्र)

पंजाब में नहर से मिला बादल के सुरक्षा अधिकारी का शव

जासं, बठिंडा : पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल के सरपरस्त प्रकाश सिंह बादल के पीएसओ (निजी सुरक्षा अधिकारी) एएसआइ हरजोत सिंह (28) का शव गुरुवार सुबह सरहिंद नहर से बरामद हुआ। उनकी स्कार्पियो कार भी नहर से मिली है। घटनास्थल से मिले सुबूत से मामला संदिग्ध लग रहा है। बादल गांव निवासी हरजोत के भाई नवदीप सिंह ने पंजाब पुलिस को बताया कि हरजोत लंबे समय से प्रकाश सिंह बादल का पीएसओ तैनात थे। (जासं)

मौसम पर आस्था भारी, पौष पूर्णिमा स्नान को लाखों पहुंचे

ज्ञानेन्द्र सिंह, प्रयागराज

जीवनदायिनी गंगा, श्यामल यमुना और अदृश्य सरस्वती की त्रिवेणी के प्रति श्रद्धालुओं की अगाध आस्था मौसम पर भारी पड़ गई। खराब मौसम के बीच शुक्रवार को पौष पूर्णिमा पर होने वाले माघ मेले के प्रथम स्नान के लिए कल्पवासी, साधु-संत और श्रद्धालु गुरुवार को संगम की रेती पर पहुंच गए। मेला प्रशासन के मुताबिक माघ मेला में पहुंचे आस्थावानों की संख्या 15 लाख के करीब है। प्रशासन का अनुमान है कि पौष पूर्णिमा पर लगभग 32 लाख श्रद्धालु त्रिवेणी में पुण्य की डुबकी लगाएंगे।

पौष पूर्णिमा स्नान के साथ ही संगम तट पर एक माह के लिए जप, तप, स्नान, ध्यान और दान का कल्पवास शुरू हो जाएगा। बेमौसम बारिश होने और ओले पड़ने से मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की मुश्किलें बढ़ गई थीं। बुधवार को तो स्थिति यह रही कि तंबुओं में पानी भर गया था और दलदल तथा कीचड़ से राह चलना भी मुहाल हो गया था। बिजली, पानी और सड़क की समस्या आम हो गई थी। बावजूद इसके श्रद्धालुओं की श्रद्धा पौष पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर ही संगम तट पर हिलोरे मारने लगी थी। भारी तादाद में श्रद्धालु गुरुवार सुबह से ही मेला क्षेत्र में पहुंचने लगे थे। इनमें कल्पवासियों और संत-महात्माओं की संख्या सबसे ज्यादा रही। देर शाम के बाद भी श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला चलता रहा।

शुक्रवार को माघ मेले के प्रथम स्नान के लिए प्रयागराज पहुंचे श्रद्धालु। एएनआइ

स्नान विधान का समापन 9 फरवरी को : जागरण संवाददाता, वाराणसी : पौष माह की पूर्णिमा इस बार 10 जनवरी को है। इसके साथ ही माह पर्यंत माघ स्नान, जप-व्रत, यम-नियम का श्रीगणेश होगा। तीर्थराज प्रयाग में कल्पवास भी शुरू हो जाएगा। स्नान विधान का समापन माघ पूर्णिमा पर 9 फरवरी को होगा। शास्त्रों के अनुसार स्नान के लिए 12 महीनों में वैशाख, कार्तिक और माघ विशेष माने गए हैं। इस अवधि में तीर्थ स्थानों में या नजदीकी पवित्र नदी, गंगा, प्रयाग संगम अथवा समुद्र में अरुणोदय काल में स्नान करना चाहिए। ज्योतिषाचार्य पं. ऋषि द्विवेदी के अनुसार पवित्र नदी तक या अन्यत्र कहीं जाने में अक्षम हैं तो स्नान से पहले 'गंगे च यमुने चैव गोदावरी सरस्वती, नर्मदा सिंधु कावेरी जलेस्मिन सन्निधिं कुरु...' मंत्र से जल अभिमंत्रित कर स्नान से भी पुण्य प्राप्ति होती है। स्नान से पहले ईश आराधना और बाद में सूर्यदेव को अर्घ्य देकर श्रीहरि का पूजन करना चाहिए। अनादि काल से माघ माह विशेष माना गया है। माघ पर्यंत विशेष तिथियों पर स्नान के बाद गरीबों और पुरोहितों को तिल निर्मित सामग्री, पात्र या ऊनी वस्त्र आदि दान का विधान है।

माघ के पांच स्नान : पौष पूर्णिमा 10 जनवरी, मकर संक्रांति 15 जनवरी, मौनी अमावस्या 24 जनवरी, वसंत पंचमी 30 जनवरी, माघ पूर्णिमा 9 फरवरी।

खास बातें

- 15 लाख से ज्यादा कल्पवासी, साधु-संत, श्रद्धालु पहुंचे मेला क्षेत्र
- 32 लाख श्रद्धालुओं के डुबकी लगाने का प्रशासन का अनुमान
- 5.5 हजार रनिंग फीट के करीब मेला क्षेत्र में बनाए गए स्नान घाट
- 05 हजार पुलिस, पीएसी व अर्द्धसैनिक बलों के जवान तैनात
- 06 सेक्टर बनाए गए, 25 सौ बीघा में बसाई गई तंबुओं की नगरी
- 20 बेड के दो बड़े अस्पताल बनाए गए मेला क्षेत्र में

माघ मेला के प्रथम स्नान की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शुक्रवार को भोर से ही स्नान शुरू हो जाएगा। लोगों की सुविधा को लेकर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

-रजनीश कुमार मिश्र, मेलाधिकारी

लगातार रंग बदलता रहा है लकड़ावाला

मिड डे, मुंबई

बिहार की राजधानी पटना में गिरफ्तार किया गया गैंगस्टर एजाज लकड़ावाला रंग बदलने के मामले में गिरगिट से भी माहिर निकला। वर्ष 1998 में फरार होने के बाद वह अलग-अलग वेशभूषा के साथ विभिन्न देशों में घूमता रहा और अच्छी अंग्रेजी भी सीख ली। इन झांसों की बदौलत वह भले ही 20 वर्षों से ज्यादा समय तक फरार रहा, लेकिन मुंबई पुलिस ने भी उसका पीछा नहीं छोड़ा।

एजाज लकड़ावाला ने पुलिस की आंखों में धूल झोंकने के लिए हर संभव कोशिश की। उसने न सिर्फ अपने रूप-रंग बदले, बल्कि अपनी हर फर्जी पहचान के अनुरूप वह जीवनशैली भी बदलता रहा। उसके कुछ फर्जी नामों में अक्षय प्रीतमदास भाटिया और मनीष आडवाणी शामिल हैं।

छोटा राजन के साथ ही छोड़ दिया था दाऊद का गैंग : मुंबई का गैंगस्टर लकड़ावाला दाऊद के गिरोह में तो शामिल हो गया था, लेकिन वह छोटा राजन का ज्यादा वफादार रहा। जब छोटा राजन दाऊद से अलग हो गया तो लकड़ावाला ने भी डी. कंपनी छोड़ दी। वर्ष 1988 में वह दुबई भाग गया और वर्ष 1993 में वापस भारत लौटा। वर्ष 1996 में वह मुंबई धमाका (वर्ष 1993) के आरोपित फरीद की हत्या में नामजद हुआ। इस मामले में मुंबई पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया, लेकिन वर्ष 1998 में जेजे हॉस्पिटल से स्वास्थ्य जांच के दौरान वह हिरासत से फरार हो गया।

छोटा राजन पर हुए हमले में लकड़ावाला को लगी थीं सात गोलियां : बैंकॉक में वर्ष 2000 में छोटा राजन पर जब हमला हुआ था तब लकड़ावाला भी उसके साथ था। मुंबई पुलिस सूत्रों का कहना है कि इस हमले में लकड़ावाला को भी सात गोलियां लगी थीं। उसके शरीर पर उन गोलियों के निशान अब भी मौजूद हैं। बैंकॉक में हुए हमले के बाद लकड़ावाला लगातार देश बदलता रहा। इस दौरान उसने घाना, कंबोडिया, अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और नेपाल में पनाह ली।

बेटी की सुरागदेही पर पुलिस को मिली सफलता

प्रथम पृष्ठ से आगे...

मुंबई पुलिस के संयुक्त आयुक्त (अपराध) संतोष रस्तोगी के अनुसार 50 वर्षीय एजाज लकड़ावाला की बेटी सोनिया पिछले सप्ताह से पुलिस हिरासत में है। उससे मिली जानकारी के आधार पर मुंबई पुलिस ने एजाज को पटना में गिरफ्तार कर लिया। मुंबई में गुरुवार को अदालत में पेश किए जाने पर उसे 21 जनवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। मुंबई के पुलिस कमिश्नर संजय बर्वे ने बताया कि एजाज की बेटी सोनिया को पिछले सप्ताह फर्जी पासपोर्ट पर अपनी बेटी के साथ नेपाल जाते हुए मुंबई के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था।

दाऊद इब्राहिम और छोटा राजन का था करीबी

रस्तोगी के अनुसार मुंबई पुलिस करीब छह माह से एजाज लकड़ावाला की तलाश में थी। लकड़ावाला कभी कुख्यात भगोड़े माफिया सरगना दाऊद इब्राहिम का करीबी था। लेकिन बाद में वह दाऊद के धुर विरोधी छोटा राजन के नजदीक आ गया था। विरोधी कैंप का हिस्सा बन जाने के कारण दाऊद गिरोह ने 2003 में बैंकाक के एक बाजार में उस पर फायरिंग की थी। उस समय उसके मारे जाने की अफवाह भी उड़ी थी। लेकिन तब वह बचकर कनाडा भाग गया था। बाद में छोटा राजन से अलग उसने अपना गैंग बना लिया। माना जाता है गैंग का ऑपरेशन वह कनाडा, मलेशिया और नेपाल से कर रहा था।

बंगाल के नैहाटी में पटाखा निष्क्रिय करते वक्त धमाका

जागरण संवाददाता, कोलकाता

- बिना विशेषज्ञ पुलिस कर रही थी निष्क्रिय करने की कोशिश
- गंगा नदी के दोनों तरफ दर्जनभर से अधिक मकान व वाहन क्षतिग्रस्त
- गुस्साए लोगों ने पुलिस के वाहन फूकें, पुलिसवालों को पीटा

बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के नैहाटी में गंगा नदी के किनारे गुरुवार दोपहर पुलिस द्वारा पटाखे निष्क्रिय करते समय अचानक ऐसा धमाका हुआ कि दो जिले थर्रा गए। विस्फोट की तीव्रता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि गंगा के इस पार ही नहीं उस बार हुगली जिले के चुंचुड़ा में दर्जनभर से अधिक मकान और गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। पुलिस वाले भागने लगे। लोग विस्फोट व नुकसान से इतने आतंकित व आक्रोशित हो गए कि उन्होंने पुलिस के दो वाहनों को फूंक दिया और पुलिस वालों को जमकर पिटाई कर दी। इसमें दो पुलिस वाले गंभीर रूप से जख्मी हो गए। दोनों जिलों के पुलिस आयुक्त को लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। धमाके के साथ आग की लपटें व धुएं का गुबार ऐसा उठा कि जैसे परमाणु बम का परीक्षण किया गया हो।

दरअसल, पिछले सप्ताह नैहाटी में अवैध पटाखे की फैक्ट्री में धमका हुआ था, जिसमें पांच लोग मारे गए थे। इसके बाद पुलिस ने इलाके में अवैध पटाखे फैक्ट्री के खिलाफ अभियान चलाकर 10 मेटाडोर बारूद व पटाखे जब्त किए थे और पिछले पांच दिनों से उसे नैहाटी के गंगा किनारे रामघाट के निकट निष्क्रिय किया जा रहा था। आरोप है कि बिना विशेषज्ञ के ही पुलिस की टीम फिर से गुरुवार दोपहर पटाखे को निष्क्रिय करने पहुंची थी। लोगों ने इसका विरोध भी किया था। कई गड्ढा खोद कर उसमे बारूद व पटाखे डाले गए और जैसे ही निष्क्रिय के लिए ब्लास्ट किया गया पूरा इलाका थर्रा उठा। जमीन तक हिल गई। गंगा के इस बार के कई मकान हिल गए। इससे दो बच्चों को चोट लगी। नदी के उस पार कई किलोमीटर दूर हुगली जिले के चुंचुड़ा नगरपालिका के 12 और 13 नंबर वार्ड तक कंपन महसूस किया गया। कई घरों में दरार पड़ गई और खिड़की व वाहनों के कांच टूट गए। इसके बाद विस्फोटकों को निष्क्रिय करने की प्रक्रिया को अविलंब रोकने का निर्देश दिया गया है।

जहरीली गैस फैलने की आशंका : विस्फोट से वातावरण में प्रचुर मात्रा में जहरीली गैस फैलने की आशंका है, जिसका असर आने वाले दिनों में दिख सकता है। विशेषज्ञों ने बताया कि इस तरह के विस्फोट से वातावरण में प्रचुर मात्रा में हानिकारक गैस फैलती हैं। विस्फोट बड़े पैमाने का हो या छोटे, उससे परिवेश को नुकसान पहुंचता ही है।

ममता ने दिया जांच व मुआवजे का निर्देश : उत्तर 24 परगना जिले में ही मौजूद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घटना के बाद विस्फोट के चलते क्षतिग्रस्त हुए मकानों के मालिकों को उचित मुआवजा देने की घोषणा की। साथ ही जांच के निर्देश दिए। धमाके के बाद नैहट्टी पहुंची हुगली की भाजपा सांसद लॉकेट चटर्जी ने विस्फोटकों को लेकर सवाल किए और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) से जांच कराने की मांग की।

धमाके को लेकर संशय: बारूद से ऐसा धमाका होगा इसे लेकर संशय है। जानकारों का कहना है कि पटाखे में कुछ ऐसे घातक विस्फोटक थे, जिससे तीव्रता अधिक थी।

उत्तर 24 परगना जिले के नैहाटी में गुरुवार को अवैध पटाखा कारखानों से जब्त बारूद और पटाखों में विस्फोट के बाद उठता आग और राख का गुबार। जागरण

यह विस्फोट सुरक्षा एजेंसियों की आंख खोलने वाला है। इसकी उपयुक्त जांच होनी चाहिए।

-जगदीप धनखड़, राज्यपाल बंगाल, (ट्विटर)

चुंचुड़ा नपा के 12 और 13 नंबर वार्ड में व्यापक क्षति हुई है। चेयरमैन के साथ ही मैंने खुद इलाके का निरीक्षण किया है। क्षतिग्रस्त मकानों के मालिकों को मुआवजा दिया जाएगा।

असीत मजूमदार, चुंचुड़ा के तृणमूल विधायक

मिसाल

मध्य प्रदेश मेम संस्थागत प्रसव के लिए एएनएम के प्रयास को मिली सराहना, राज्य सरकार ने अपनाया आइडिया

स्वस्थ समाज

दानोद की 'पोटली' की चर्चा अब देशभर में

विवेक पाराशर, बड़वानी

आदिवासी इलाका, उसपर सरकारी व्यवस्था...। इसका बहाना बनाकर परिस्थितियों पर रोते रहना मप्र के दानोद की एएनएम रीता चौहान को मंजूर नहीं था। संस्थागत प्रसव करवाने और 100 फीसदी टीकाकरण के लिए उसने अपना अनूठा तरीका ढूंढ निकाला- पोटली। इसे अब राज्य सरकार अपनाने जा रही है, नाम दिया है- गो-किट। मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग ने आदिवासी और बीहड़ इलाकों में अब रीता के आइडिया पर बनी गो-किट को अपनाने की तैयारी कर ली है।

बड़वानी जिले के गांव दानोद में प्रसूति सहायिका नर्स रीता चौहान के संस्थागत प्रसव और शत-प्रतिशत टीकाकरण को लेकर इन प्रयासों को देशभर में सराहना मिल रही है। राज्य सरकार ने तो अपनाया ही, मुमकिन है कि प्रसव के लिए उनके द्वारा बनाई गई 'पोटली' को पूरे देश में लागू कर दिया जाए। राज्य टीकाकरण अधिकारी के निर्देश पर एएनएम रीता चौहान के कार्यों पर डाक्युमेंट्री फिल्म बनाकर केंद्र सरकार को भेजी गई है।

मध्य प्रदेश के दानोद क्षेत्र में प्रसूताओं का रिकॉर्ड लैपटॉप पर अपडेट करतीं एएनएम रीता चौहान। नईदुनिया

ग्राम दानोद भौगोलिक रूप से कठिन पहाड़ी क्षेत्र में बसा है। गांव का क्षेत्रफल करीब छह किमी में फैला है। इस क्षेत्र में सुरक्षित प्रसव बड़ी चुनौती हुआ करता था, लेकिन यहां के उप स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ एएनएम रीता चौहान के प्रयासों से आज यह क्षेत्र 100 प्रतिशत टीकाकरण और करीब 95 प्रतिशत संस्थागत प्रसव वाला क्षेत्र है। मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर को कम से कम करने के प्रयासों का आज नतीजा है कि अनपढ़ और पिछड़ी समझी जाने वाली महिलाएं भी जागरूक हुई हैं।

सीएमएचओ डॉ. अनिता सिंगारे ने बताया कि रीता ने वाकई सूझबूझ और समर्पित भाव से यह काम किया, जिसका नतीजा सभी के सामने है।

सरोकार की अन्य खबरें पढ़ें www.jagran.com/topics/positive-news

क्या है पोटली में...

एएनएम रीता चौहान ने बताया कि दानोद क्षेत्र की अधिकांश महिलाएं गरीब तबके की और अशिक्षित हैं। वहीं, यहां की भौगोलिक परिस्थितियां विषम हैं। ऐसे में अचानक प्रसव पीड़ा होने पर बगैर तैयारी अस्पताल जाने या घर में प्रसव होने पर संक्रमण होने का खतरा बहुत अधिक रहता था। इसके चलते कई प्रसूताओं की जान भी गई। हमने महिला के गर्भवती होने से प्रसूति की संभावित तारीख तक का रिकॉर्ड लेपटॉप पर रखना शुरू किया। प्रसूति के करीब एक माह पूर्व प्रसूता के घर पहुंच सभी तैयारी पूरी करते हैं। दी जाने वाली पोटली में प्रसूति के दौरान काम आने वाले आवश्यक साजोसामान, साफ कपड़े, बच्चे के लिए कपड़े, आवश्यक बर्तन, साबुन, जरूरी दवाइयां और सबसे जरूरी कुछ रुपये पहले से सहेज दिए जाते हैं, ताकि अचानक कोई व्यवधान न आने पाए।

एसआरएस ग्रुप की 2,510 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- ईडी ने मनी लांड्रिंग रोकथाम कानून के तहत की कार्रवाई
- निवेशकों से धोखाधड़ी कर बनाई गई थीं ये संपत्तियां

फरीदाबाद स्थित एसआरएस ग्रुप पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का शिकंजा कस गया है। मनी लांड्रिंग रोकथाम कानून के तहत कार्रवाई करते हुए ईडी ने एसआरएस ग्रुप, उसके निदेशकों और उनसे जुड़ी कंपनियों की 2,510 करोड़ की संपत्तियां जब्त कर ली हैं। मालूम हो कि एसआरएस में निवेशकों के हजारों करोड़ रुपये डूब गए थे, लेकिन जांच में पता चला कि एसआरएस ग्रुप ने निवेशकों से मिला धन मुखौटा कंपनियों के माध्यम से निजी संपत्ति बनाने में लगा दिया था।

वैसे तो ईडी ने एसआरएस ग्रुप की जब्त संपत्तियों का विस्तृत ब्योरा नहीं दिया है। लेकिन सूत्रों के अनुसार इनमें सिनेमा हॉल, मॉल, रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स, स्कूल, रिहायशी मकान, फिक्स्ड डिपोजिट और बैंक खातों में जमा धन शामिल हैं। ईडी के अनुसार, एसआरएस ग्रुप रियल एस्टेट, कॉमर्शियल प्रोजेक्ट आदि में निवेश पर बड़ी आमदनी का झांसा देकर निवेशकों को आकर्षित करता था। शुरू में निवेशकों को झांसा देने के लिए कुछ महीने आमदनी के कथित पैसे लौटाए भी गए, लेकिन बाद में कंपनी ने इसे देना बंद कर दिया। निवेशकों की शिकायत पर फरीदाबाद में एसआरएस ग्रुप के खिलाफ कई एफआइआर दर्ज हैं और उनमें से अधिकांश में आरोपपत्र भी दाखिल किए जा चुके हैं। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा में भी एक एफआइआर दर्ज है। ईडी के अनुसार, एसआरएस ग्रुप के प्रमोटर अनिल जिंदल, जितेंद्र कुमार गर्ग और प्रवीण कुमार कपूर निवेशकों को धोखा देने की पूरी साजिश के सूत्रधार थे।